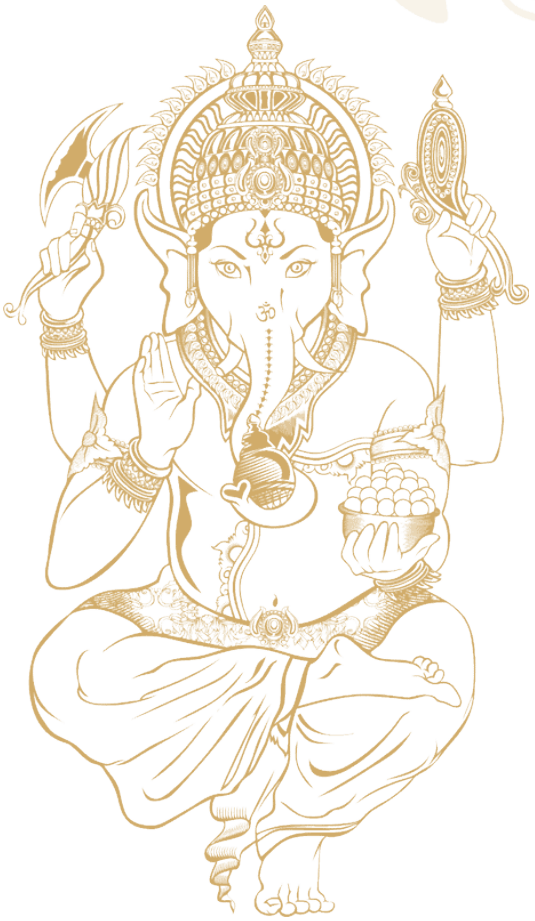

Raj Arjariya

Chhavi Chaturvedi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121679903

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
16/07/1994	जन्म तिथि	24-25/09/2000
शनिवार	दिन	रवि-सोमवार
घंटे 08:45:00	जन्म समय	00:02:00 घंटे
घटी 07:55:39	जन्म समय(घटी)	44:51:57 घटी
India	देश	India
Jhansi	स्थान	Orai
25:27:00 उत्तर	अक्षांश	26:00:00 उत्तर
78:34:00 पूर्व	रेखांश	79:26:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:15:44	स्थानिक संस्कार	-00:12:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:34:44	सूर्योदय	06:01:45
19:08:43	सूर्यास्त	18:06:18
23:47:05	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:46

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 3वर्ष 1मा 13दि		10:12:46	सिंह	लग्न	मिथु	18:17:13	बुध 3वर्ष 3मा 10दि	
गुरु		29:35:55	मिथु	सूर्य	कन्या	08:08:24	शुक्र	
29/08/2015		00:43:32	तुला	चंद्र	कर्क	27:25:46	04/01/2011	
29/08/2031		14:47:53	वृष	मंगल	सिंह	11:01:33	04/01/2031	
गुरु	16/10/2017	09:21:35	मिथु	बुध	तुला	01:15:38	शुक्र	06/05/2014
शनि	28/04/2020	11:16:34	तुला	गुरु	वृष	17:20:01	सूर्य	06/05/2015
बुध	04/08/2022	11:42:00	सिंह	शुक्र	तुला	06:17:44	चन्द्र	04/01/2017
केतु	11/07/2023	18:11:22	कुंभ व	शनि व	वृष	06:58:50	मंगल	06/03/2018
शुक्र	11/03/2026	28:01:04	तुला	राहु व	मिथु	28:18:38	राहु	06/03/2021
सूर्य	28/12/2026	28:01:04	मेष	केतु व	धनु	28:18:38	गुरु	05/11/2023
चन्द्र	28/04/2028	00:37:10	मक व	हर्ष व	मक	23:26:23	शनि	04/01/2027
मंगल	04/04/2029	28:08:18	धनु व	नेप व	मक	10:02:43	बुध	04/11/2029
राहु	29/08/2031	01:36:32	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	16:37:19	केतु	04/01/2031

लग्न-चलित

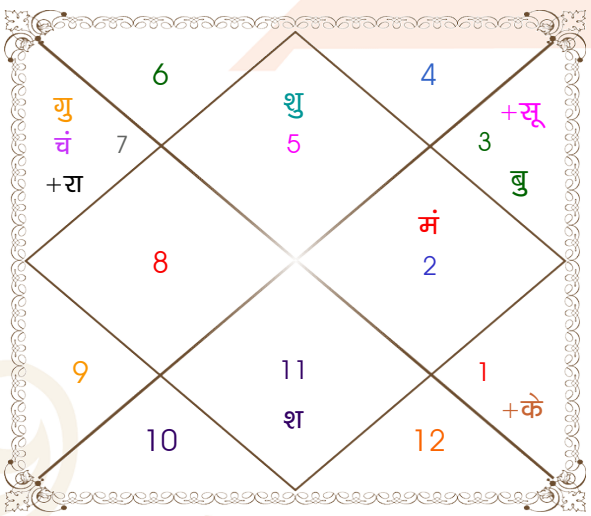

लग्न-चलित

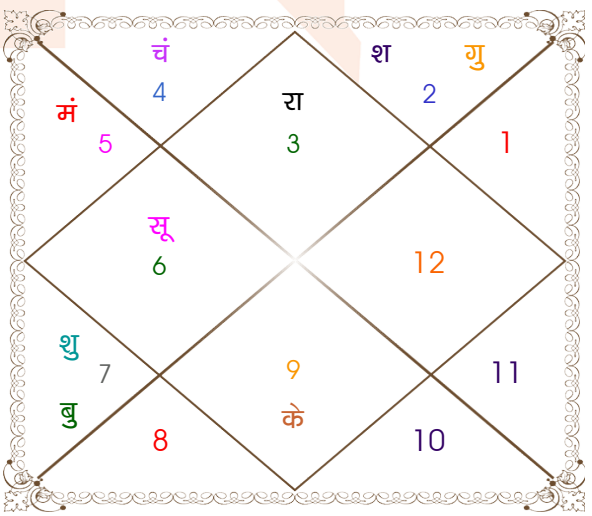

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	मार्जार	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	चन्द्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

त्ंर ।तरंतपलं का वर्ग मृग है तथा बींअप बैंजनतअमकप का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार त्ंर ।तरंतपलं और बींअप बैंजनतअमकप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

त्ंर ।तरंतपलं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

बींअप बैंजनतअमकप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

त्ंर ।तरंतपलं तथा बींअप बैंजनतअमकप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।